**UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY,**
**HALDWANI, NAINITAL**

The report should be sent (in the sealed envelope) to the Exam Controller, Uttarakhand Open University, Teen pani Bypass Road, Haldwani (Nainital ) -263139.

**UOU/Research/Education /2024/01** **DATE: 12/06/2024**

**PROFORMA FOR THE WRITING Ph. D. THESIS REPORT**

1- Name of the Candidate **Brijesh Kumar Bankoti** Registration No. 21240874".
2- Subject: **Education**
3- Name of the Doctorate Degree: Ph. D.
4- Title of thesis : **"मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा जन जनसंचार-एक व्यक्तिवृत अध्ययन (उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में )"**
5- Name of the examiner with full postal address **Prof. Raj Sharan Shahi, Prof. & Dean School of Education,B.R. Ambedkar University, Lucknow. UP**

**Note –** Under the ordinance relating to Doctorate Degree a thesis shall comply with the following conditions and the examiners are requested that in case they approve of a thesis for the degree, is should be definitely mentioned in the report that the thesis complies with these requirements.

**(a)** It must be a piece of research work characterized either by the discovery of facts or by a fresh approach towards the interpretation of facts or theories. In either case it should evince the candidate's capacity for critical examination and sound judgment.

**(b)** It shall be satisfactory in point of language and presentation of subject matter. The examiners will also indicate whether the thesis is suitable for publication in its present form with or without amendments.

**IMPORTANT**

The Examiner is requested to recommend definitely weather.

(a) The candidate is admitted to the degree.
Or
(b) ~~The candidate should improve and resubmit the thesis.~~
Or
(c) ~~The thesis should be rejected.~~

**REPORT**

Dated ....04.07.2024.....

.....04.07.2024.....
(Signature of the Examiner)

(If necessary blank sheets may be added to complete the report)

Detailed evaluation report on separate sheet attached herewith.

# शोध प्रबंध मूल्यांकन रिपोर्ट

मैंने शोधार्थी श्री बृजेश कुमार बनकोटी द्वारा शोध उपाधि हेतु प्रस्तुत "मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा तथा जनसंचार - एक व्यक्ति वृत्त अध्ययन" विषयक शोध प्रबंध, जो कुल सात अध्यायों में विभक्त है, का अवलोकन किया। उक्त के संदर्भ में निम्नांकित तथ्य ध्यातव्य हैं-

प्रथम अध्याय में अध्ययन की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि के साथ ही साथ अध्ययन की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। इस शोध कार्य को संपन्न करने में शोधार्थी द्वारा कुल सात उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं। यह अध्ययन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय तक सीमित है।

द्वितीय अध्याय में शोध से संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण प्रस्तुत है। शोध की दृष्टि से यह अध्याय शोधार्थी को दिशा देने वाला होता है। संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण जितना व्यापक होता है, शोध के बारे में शोधार्थी की दृष्टि उतनी ही स्पष्ट हो जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित साहित्य का अवलोकन कम मात्रा में किया गया है। संबंधित साहित्य के सर्वेक्षण में शोध उद्देश्य, शोध विधि आदि का उल्लेख किया जाना अधिक प्रासंगिक था। सर्वेक्षण के पश्चात शोध के क्षेत्र में रिक्तता (रिसर्च गैप) का रेखांकन भी इस अध्याय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है, जिसका कि यहां अभाव दिखाई दे रहा है। प्रस्तावित विषय से संबंधित अद्यतन अध्ययनों को इसमें सम्मिलित किया गया है।

तृतीय अध्याय शोध विधि से संबंधित है, जो व्यक्ति वृत्त अध्ययन विधि पर आधारित है। इसमें शोधार्थी द्वारा विषय वस्तु विश्लेषण, प्रत्यक्ष अवलोकन, प्रतिभागी अवलोकन, खुले साक्षात्कार आदि का प्रयोग किया गया है। आंकड़ों के संग्रह हेतु लिंकर्ट के पांच बिन्दू मापनी पर आधारित अनुसूची का निर्माण किया गया है, जिसमें कुल 20 प्रश्न है। उपकरण निर्माण की विधि का यहां उल्लेख किया जाना चाहिए था, क्योंकि शोध की दृष्टि से शोधार्थी का यह महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है।

चतुर्थ अध्याय में जनसंचार माध्यम तथा उत्तराखंड विश्वविद्यालय से सम्बंधित विषय वस्तु प्रस्तुत है। जनसंचार माध्यमों का मुक्त और दूरस्थ शिक्षा में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान होता है। शिक्षार्थी मुक्त विश्वविद्यालयों से इन्हीं माध्यमों से जुड़ते हैं। अतः विश्वविद्यालय के संचालन में इन माध्यमों की भूमिका को देखते हुए इसका अध्ययन महत्वपूर्ण प्रतीत होता है।

पंचम अध्याय में विश्वविद्यालय के ढांचागत संरचना एवं मानव संसाधन के बारे में अध्ययन किया गया है। किसी भी संस्थान के सफल संचालन में ढांचागत संरचना और मानव संसाधन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। शिक्षा के मात्रात्मक प्रसार तथा गुणात्मक वृद्धि दोनों ही दृष्टियों से इसका अध्ययन बहुत ही महत्वपूर्ण है।

षष्टम अध्याय में आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए प्राप्त परिणामों को शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। पूर्व में हुए अनुसंधान के परिणामों को विश्लेषण में सम्मिलित कर इसकी प्रभावकारिता को बढ़ाया जा सकता था।

सप्तम अध्याय में शोध सारांश, निष्कर्ष और भावी अध्ययन हेतु सुझाव प्रस्तुत किया गया है। इस अध्याय में शोध से प्राप्त निष्कर्षों को प्रस्तुत किया गया है। भावी शोधकर्ताओं को इस दिशा में आगे कार्य करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए हैं।

शोधकर्ता द्वारा तथ्यों का विश्लेषण उद्देश्यों के अनुरूप किया गया है। शोध की भाषा सरल तथा स्पष्ट है। शोधार्थी के श्रम को देखते हुए उसे शिक्षा शास्त्र विषय में मौखिकी परीक्षा के उपरांत शोध की उपाधि प्रदान करने की संस्तुति की जाती है।

04.07.2024

(प्रो. राजशरण शाही)

बाह्य परीक्षक

Prof. Raj Sharan Shahi
Professor
Department of Education
Babasaheb Bhimrao Ambedkar University
(A Central University)
Lucknow (U.P.)

**UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY,**
**HALDWANI, NAINITAL**

The report should be sent (in the sealed envelope) to the Exam Controller, Uttarakhand Open University, Teen pani Bypass Road, Haldwani (Nainital ) -263139.

**UOU/Research/Education /2024/01** **DATE: 12/06/2024**

**PROFORMA FOR THE WRITING Ph. D. THESIS REPORT**

1- Name of the Candidate **Brijesh Kumar Bankoti** Registration No. 21240874".
2- Subject: **Education**
3- Name of the Doctorate Degree: Ph. D.
4- Title of thesis : **"मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा जन जनसंचार-एक व्यक्तिवृत अध्ययन (उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में )"**
5- Name of the examiner with full postal address **Prof. Manoj Kumar Saxena, Dean, School of Education , Central University of Himanchal Pradesh, Dharmshala 176215**

**Note –** Under the ordinance relating to Doctorate Degree a thesis shall comply with the following conditions and the examiners are requested that in case they approve of a thesis for the degree, is should be definitely mentioned in the report that the thesis complies with these requirements.

**(a)** It must be a piece of research work characterized either by the discovery of facts or by a fresh approach towards the interpretation of facts or theories. In either case it should evince the candidate's capacity for critical examination and sound judgment.

**(b)** It shall be satisfactory in point of language and presentation of subject matter. The examiners will also indicate whether the thesis is suitable for publication in its present form with or without amendments.

**IMPORTANT**

The Examiner is requested to recommend definitely weather.

(a) The candidate is admitted to the degree.

Or

(b) The candidate should improve and resubmit the thesis.

Or

(c) The thesis should be rejected.

**REPORT**

Dated 04.07.2024

04.07.2024
(Signature of the Examiner)

(If necessary blank sheets may be added to complete the report)

## परीक्षक की रिपोर्ट

शोधार्थी का नाम : बृजेश कुमार बनकोटी

विषय : शिक्षाशास्त्र

शोध प्रबंध का शीर्षक : मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा तथा जनसंचार- एक व्यक्तिवृत अध्ययन (उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में)

शोध निर्देशक का नाम : डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा
सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र

सह शोध निर्देशक : डॉ. राकेश चन्द्र रयाल
सह प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखंड

**अध्यायीकरण तथा इनकी क्रमबद्धता**

प्रस्तुत शोध प्रबंध का संकलन सात अध्यायों में किया गया है। प्रथम अध्याय का शीर्षक 'प्रस्तावना एवं शोध का संक्षिप्त परिचय' को रखा है। इस अध्याय में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की अवधारणा, शोध का महत्व, समस्या कथन, शोध शीर्षक में प्रयुक्त चरों की संक्रियात्मक व्याख्या, शोध उद्देश्य शोध प्रश्न एवं शोध का सीमांकन जैसे मुख्य बिन्दुओं को वर्णन किया है। द्वितीय अध्याय, संबंधित साहित्य की समीक्षा इसमें शोधार्थी ने अध्ययन के शीर्षक के अनुसार क्रमबद्ध एवं स्पष्ट तरीके से साहित्य अध्ययन को प्रस्तुत किया है। तृतीय अध्याय में शोध प्रविधि एवं प्रदत्तों का संग्रह का वर्णन किया है जिसमें शोध में प्रयुक्त विधि एवं शिक्षार्थी संख्या का विश्लेषणात्मक अध्ययन को विधिवत वर्णन किया है। इसके उपरांत चतुर्थ अध्याय में जनसंचार माध्यम तथा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की अवधारणा को प्रस्तुत किया है। षष्टम अध्याय में शोध विश्लेषण एवं परिणाम को रखा है। अंतिम सातवें अध्याय में शोध सारांश, निष्कर्ष एवं भावी शोध हेतु सुझाव का वर्णन किया है। शोध प्रबंध के अंत में संदर्भ ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट को भी क्रमबद्धता से प्रस्तुत किया गया है।

**अध्यायों की विषय सामग्री**

यह शोध अध्ययन 'मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा तथा जनसंचार- एक व्यक्तिवृत अध्ययन (उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में)' को प्रस्तुत करता है। शोध अध्ययन कार्य की आवश्यकता एवं उपयोगिता के अनुसार सात अध्यायों में दी गई सामग्री उपयुक्त प्रतीत होती है।

**प्राथमिक एवं द्वितीय स्रोतों का उपयोग**

प्रस्तुत शोध प्रबंध को शोधार्थी ने समय और साधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखकर शोध प्रबंध को पूर्ण किया है। प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने **'मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा तथा जनसंचार- एक व्यक्तिवृत अध्ययन (उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में)**, के लिए वर्णात्मक विधि के अंतर्गत गुणात्मक विधि का उपयोग किया है। यह शोध उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के एक इकाई के रूप में व्यक्तिवृत अध्ययन विधि पर आधारित है। आंकड़ों के संग्रहण करने के लिए शोधार्थी ने शोध उपकरण में स्वनिर्मित उपकरण का उपयोग किया है। जिसमें लिकर्ट 5 स्केल आधारित स्वनिर्मित अनुसूची का निर्माण किया है। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु विषय वस्तु विश्लेषण तकनीक का उपयोग किया गया है।

**आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण**

प्रस्तुत शोध प्रबंध में शोधार्थी ने समस्त आंकड़ों की व्याख्या के लिए तालिका एवं ग्राफ के द्वारा स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया है।

**संदर्भ सूची के संदर्भ में विचार**

शोध प्रबंध में संदर्भ ग्रंथ ही शोध की प्रमाणिकता को प्रस्तुत करता है। इस प्रकार शोधार्थी ने संदर्भ सूची में सभी संदर्भ उचित रूप से व्यवस्थित करके इनका वर्णन किया है। शोधार्थी ने वर्तमान में प्रचलित ए. पी. ए. 7 शैली (APA 7$^{TH}$ Style) अनुकरण नहीं किया है।

**भाषा एवं व्याकरण**

शोधार्थी ने अपने इस शोध कार्य में भाषा एवं व्याकरणों का उपयोग उचित प्रकार से किया है। कुछ टंकण से संबंधित त्रुटियां दृष्टिगोचर होती है जो कि नगण्य है उनकों नजरअंदाज किया जा सकता है।

**परिणाम एवं उनका महत्व**

प्रस्तुत शोध प्रबंध में मुख्य परिणाम यह है कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय विशेष रूप से महिलाओं आदिवासियों और अन्य पर रहने वाले वर्गों के शैक्षिक आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसने सबसे दूर और कठिन स्थानों तक अपनी पहुँच बढ़ा दी है और राज्य के दूरस्थ कोनों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इसने लोगों के लाभ के लिए संसाधनों और ज्ञान को साझा करने के एकमात्र उद्देश्य से विभिन्न प्रदाताओं के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण उत्तराखंड राज्य को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के माध्यम से विकास के सबसे महत्वपूर्ण घटक प्रदान करना है। यूओयू , देहरादून, रूड़की, पौड़ी, उत्तरकाशी,

रानीखेत, बागेश्वर, हलद्वानी और पिथौरागढ़ में आठ क्षेत्रीय केंद्रों के तहत राज्य के विभिन्न स्थानों पर स्थापित 125 अध्ययन केंद्रों के माध्यम से अपने कार्यक्रम पेश करता है। इस शोध अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की विशेषताओं को समझ सकेंगे । इसलिए यह शोध अध्ययन वर्तमान समय में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है।

**संस्तुति**

शोधार्थी ने शोध कार्य के लिए एक अच्छे क्षेत्र का चयन किया है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा को सुगम से दुर्गम तक पहुचाने में प्रभावशीलता एवं क्षमता संवर्धन में प्रभावी भूमिका निभाता है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय अनवरत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समता और समावेश के साथ गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। शोधार्थी का शोध विषय शैक्षिक जगत में एक महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करता है। इस प्रकार शोधार्थी द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है। अत: अधोहस्ताक्षरकर्ता मौखिक परीक्षा की सफलता के पश्चात उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल से शिक्षाशास्त्र विषय में बृजेश कुमार बनकोटी को पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान करने की संस्तुति करते हैं।

**परीक्षक के हस्ताक्षर**

04.07.2024

**प्रो. मनोज कुमार सक्सेना**

अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष
शिक्षा स्कूल
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
धौलाधार परिसर-1 धर्मशाला-176215 (हिमाचल प्रदेश)